राष्ट्रीय
सहारा
राष्ट्रीयता ■ कर्त्तव्य ■ समर्पण

■ देहरादून ■ नई दिल्ली ■ लखनऊ ■ गोरखपुर
■ पटना ■ कानपुर ■ वाराणसी से प्रकाशित

देहरादून

शुक्रवार • 20 नवम्बर • 2020

पृष्ठ 14, वर्ष-14, अंक 4726, मूल्य ₹ 3.00

डुंडा के जखारी में एससी उपयोजना शुरू

■ उत्तरकाशी/एसएनबी।

विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद) के निदेशक डॉ.लक्ष्मीकान्त ने उत्तरकाशी जिले के विकासखंड डुंडा स्थित ग्राम जखारी में कृषि विज्ञान केन्द्र चिन्यालीसौड़ के सहयोग से चलायी जा रही अनुसूचित जाति उपयोजना का शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि यह योजना अनुसूचित जाति के पिछड़े एवं कमजोर तबके के विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। इस मौके पर कृषकों को सब्जी के बज व कृषि यंत्र भी वितरित किये गये।

निदेशक लक्ष्मीकांत ने किसानों को कृषि के विकास के लिये वैज्ञानिक तौर तरीकों को अपनाने की जरूरत है। इस मौके पर उन्होंने कृषकों की समस्यायें भी सुनीं तथा समस्याओं के निराकरण के लिये सुझाव भी साझा किये। संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डा. शेर सिंह ने कृषि में यंत्रीकरण पर जोर देते हुए कहा कि वर्तमान दौर में नयी नयी वैज्ञानिक तकनीकों का कृषि कार्यों में समावेश किया जाना जरुरी है। कीट वैज्ञानिक डा. सुबन्ना ने कृषकों को कुरमुला कीट के प्रकोप एवं रोकथाम के बारे में जरूरी जानकारी दी।

योजना भारतीय कृषि अनुसंधान केंद्र के निदेशक डा. लक्ष्मीकांत ने की शुरुआत

कृषकों को सब्जी के बीज और कृषि यंत्र भी किए वितरित

इंजीनियर श्यामनाथ ने कृषकों को मिलेट थ्रेशर तथा अन्य यंत्रों के प्रयोगात्मक कार्यप्रणाली के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। इस मौके पर कृषि विज्ञान केन्द्र चिन्यालीसौड़ के प्रभारी अधिकारी डा. पंकज नौटियाल ने कृषकों से अनुसूचित जाति उप योजना के सफल क्रियान्वयन के लिये सहयोग की अपील की। इस मौके पर योजना के तहत समस्त ग्राम वासियों को उन्नत प्रजाति की सब्जियों के बीज वितरित किये गए। अन्त्योदय एवं बीपीएल परिवारों को वीएल स्याही हल, मंडुआ थ्रेशर, प्रकाश प्रपंच, कुदाल, खुरपी, दराती, गार्डन रैक, लाईन मेकर समेत कई छोटे बड़े कृषि यंत्र वितरित किये गये।

अनुसूचित जाति के उत्थान एवं हित में योजना के संचालित किये जाने से ग्रामीणों ने खुशी व्यक्त की तथा विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा के निदेशक, वैज्ञानिकों तथा कृषि विज्ञान केन्द्र चिन्यालीसौड़ का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर कृषि विज्ञान केन्द्र के डॉ. गौरव पपनै, वरुण सुप्याल, विभिन्न विश्वविद्यालय में अध्ययनरत बीएससी कृषि के प्रशिक्षु विद्यार्थियों समेत करीब 75 से प्रगतिशील कृषक उपस्थित रहे।

आश्रित सदस्यों के बनेंगे गोल्डन कार्ड

रुद्रप्रयाग/एसएनबी। राज्य सरकार के सभी कर्मचारियों व पेंशन प्राप्तकर्ता परिवार के आश्रित सदस्यों के गोल्डन कार्ड बनवाए जाने के लिए गोल्डन कार्ड पखवाड़ा प्रारंभ किया गया है।

यह शिविर जिला कार्यालय सहित तहसील, पुलिस लाइन, विकास भवन व कोषागार में आयोजित किए जा रहे हैं। कार्ड बनवाए जाने के लिए तीस रुपए प्रति कार्ड शुल्क निर्धारित किया गया है। वरिष्ठ कोषाधिकारी गिरीश चंद्र ने जानकारी देते हुए कहा बताया कि गोल्डन कार्ड बनवाए जाने के लिए कार्मिक पहचान संख्या, आधार कार्ड व पेंशनर्स के लिए जीआरडी संख्या साथ लाना आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि जिन कार्मिकों द्वारा अपने परिवार का विवरण आईएफएमएस पोर्टल पर अपडेट नहीं किया गया है, वे आवश्यक रूप से अपने परिवार का विवरण इस पोर्टल पर अपडेट कर दें।

कोविड 19 से बचाव को लेकर किया जा रहा जागरूक

रुद्रप्रयाग। जिला पूर्ति विभाग की ओर से कोविड-19 से बचाव के दृष्टिगत जागरूकता के लिए समय-समय पर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इसी क्रम में जागरूकता के लिए गमिंग पोस्टर तैयार किए गए हैं, ये पोस्टर जनपद के अंतर्गत समस्त खाद्यान्न गोदामों, राशन दुकानों, गैस एजेंसियों व पेट्रोल पंपों आदि स्थलों पर चस्पा किए जाएंगे। जिला पूर्ति अधिकारी बचन सिंह रावत ने कहा कि जिलाधिकारी के निर्देश पर कोविड-19 से बचाव के लिए जागरुकता व प्रचार-प्रसार के लिए करीब चार सौ गमिंग पोस्टर सभी पूर्ति निरीक्षकों को उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने पोस्टरों को चस्पा कर फोटोग्राफ उपलब्ध कराने के लिए संबंधित पूर्ति निरीक्षक को निर्देशित किया है। कहा कि पूर्ति विभाग द्वारा भविष्य में भी कोविड-19 से बचाव के लिए समय-समय पर प्रचार-प्रसार व जागरूकता कार्यक्रम किए जाते रहेंगे।